दैनिक जागरण

बरेली, सोमवार
7 जुलाई, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18+4=22

PAGE NO : IV MIDDLE

रिद्धिमा में हिंदुस्तानी शास्त्रीय और पाश्चात्य संगीत का फ्यूजन

जास, बरेली : श्री राम मूर्ति स्मारक (एसआरएमएस) रिद्धिमा में रविवार शाम को इंस्ट्रूमेंटल कार्यक्रम रैनबो का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के वाद्ययंत्र के गुरु और विद्यार्थियों ने वाद्ययंत्रों से विभिन्न शास्त्रीय रागों के साथ सुगम संगीत की प्रस्तुतियां दीं। पाश्चात्य संगीत के सुनहरे दौर की झांकी प्रस्तुत की गई, जिसमें मैडोना, बोनी एम और लुइस ब्रदर्स की धुनों ने झूमने पर मजबूर कर दिया। इंस्ट्रूमेंट गुरुओं ने सैनोरीटा, है अपना दिल तो आवारा जैसे कई प्रसिद्ध गानों को सैक्सोफोन, वायलिन, फ्लूट, गिटार और कीबोर्ड की मदद से श्रोताओं के सामने प्रस्तुत किया। अंतिम प्रस्तुति में गुरुओं ने प्रसिद्ध राग मेघ मल्हार को अपने वाद्ययंत्रों पर सजाया और बरसात का आह्वान किया।

शास्त्री संगीत के कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी • सौजन्य रिद्धिमा

एसआरएमएस रिद्धिमा में वाद्ययंत्र गुरुओं और विद्यार्थियों ने विभिन्न शास्त्रीय रागों और पाश्चात्य संगीत के साथ सुगम संगीत को अपने- अपने वाद्ययंत्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरंभ कर्नाटक संगीत के राग हंसध्वनि से हुआ। इस पर इंस्ट्रूमेंट गुरु सारंगी वादक उमेश मिश्रा, वायलिन वादक सूर्यकांत चौधरी, बांसुरी वादक सूरज पांडेय, मृदंगम वादक सुमन बिस्वास, तबला वादक अमरनाथ, ड्रम वादक अनुग्रह सिंह, गिटार विशेष सिंह, सितार वादक प्रयाग श्रीवास्तव, कांगो वादक सुरेंद्र और सैक्सोफोन वादक रानी फिलिप्स और उनके शिष्यों ने डा. नम्रता, संस्कार सिंह, विवान अग्रवाल, मेघा टंडन, सार्थक कटेरिया, नेहा पांडेय, करुण्य अरोड़ा, स्वस्ति गर्ग, क्षितिज अग्रवाल, रिदित अग्रवाल, प्रज्ञा मिश्रा, अनुज सक्सेना, मंतिका अरोरा और गुरांश सिंह ने फ्यूजन प्रस्तुत किया। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज सक्सेना, डा. शैलेश सक्सेना, डा. शरद जौहरी, डा. पीके परडल, डा. विद्या नंद आदि मौजूद रहे।